एक स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया था जिसमें रोग के लक्षणों वाले रोगियों को बुलाया गया था और उनकी जांच की गई थी । इन लाक्षणिक रोगियों के जांच-परिणामों को रोग की व्यापकता संबंधी वैज्ञानिक सर्वेक्षण नहीं कहा जा सकता जिससे यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि पुरानी दिल्ली में क्षय रोग की व्यापकता दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है ।

(ख) और (ग) पुरानी दिल्ली में रहने वाली आम आबादी के बीच वैज्ञानिक आधार पर किए गए नमूना सर्वेक्षणों से पता चला कि 5 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लगभग 1.8 प्रतिशत लोग फेफड़ों के क्षय रोग से पीड़ित थे और उनका यह रोग रेडियो लॉजिकल रूप से सक्रिय था । इनमें से लगभग एक चौथाई अर्थात 0.4 प्रतिशत रोगी थूक पाजिटिव अथवा संक्रामक थे । इस सर्वेक्षण से यह भी पता चला कि क्षय रोग की व्यापकता जनसंख्या के उन वर्गों में बहुत अधिक है जो "कच्चे मकानों" में रह रहे हैं और जिनकी समाजार्थिक स्थिति असंतोषजनक है ।

(घ) दिल्ली में क्षय रोगियों को निःशुल्क निदान और उपचार, जिसमें क्षय रोगरोधी औषधियों की व्यवस्था भी शामिल है, की सुविधाएं 13 क्षय रोग क्लीनिकों और 2 प्रमुख क्षय रोग अस्पतालों के जरिए उपलब्ध हैं ।

Demand by States for more Central assistance for education

2456. SHRI K. VASUDEVA PANICKER: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the State Governments have demanded more Central assistance for education; and

(b) whether the demand has been taken care of during the Seventh Five Year Plan?

THE MINISTER OF STATE IN I THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE (SMT. SU-j SHILA ROHATGI): (a) Yes, Sir.

(b) While finalising the Seventh Plan proposals on Education, the requirements of the States have been taken into account keeping in view the constraints *on* resources.

वाराणसी-कैंट रेलवे स्टेशन पर धन का कथित दुरुपबन्ध

2457. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर निर्माण-कार्य में लाखों रुपयों का कथित घपला किये जाने के सम्बन्ध में वाराणसी से प्रकाशित होने वाले हिन्दी दैनिक "आज" दिनांक 23 अक्तूबर, 1985 में प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है,

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है ; और

(ग) सरकार द्वारा इस मामले में क्या कार्यवाही की गई है ?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिन्धिया): (क) और (ख). 20-10-85 के समाचार पत्र में छपी खबर में उल्लेख किया गया है कि वाराणसी कैंट स्टेशन पर प्लेटफार्म के नवीकरण का काम सही ढंग से नहीं किया गया है और बड़ी लाइन के घुलने योग्य एप्रेन में दरारें आ गई हैं ।

(ग) इस स्टेशन पर, हाल ही में प्लेटफार्म का विस्तार किया गया है जो इस काम के लिए विनिर्दिष्ट विशिष्टियों के अनुसार है। बड़ी लाइन पर घुलने योग्य एप्रेन का निर्माण 1972 में किया गया था । धसन आदि के कारण इसमें दिखायी देने वाली दरारों की मरम्मत कर दी गयी है ।